५. खेती से आई तब्दीलियाँ

– पं. जवाहरलाल नेहरू

प्रिय बेटी इंदिरा,

अपने पिछले खत में मैंने कामों के अलग-अलग किए जाने का कुछ हल बतलाया था । बिलकुल शुरू में जब आदमी सिर्फ शिकार पर गुजर-बसर करता था, काम बँटे हुए न थे । हरेक आदमी शिकार करता था और मुश्किल से खाने भर को पाता था । सबसे पहले मर्दों और औरतों के बीच में काम बँटना शुरू हुआ होगा; मर्द शिकार करता होगा और औरत घर में रहकर बच्चों और पालतू जानवरों की निगरानी करती होगी ।

जब आदमियों ने खेती करना सीखा तो बहुत-सी नई-नई बातें निकलीं । पहली बात यह हुई कि काम कई हिस्सों में बँट गए । कुछ लोग शिकार खेलते और कुछ खेती करते और हल चलाते । ज्यों-ज्यों दिन गुजरते गए आदमियों ने नये-नये पेशे सीखे और उनमें पक्के हो गए ।

खेती करने का दूसरा अच्छा नतीजा यह हुआ कि गाँव और कस्बे बने। लोग इनमें आबाद होने लगे । खेती के पहले लोग इधर-उधर घूमते-फिरते थे और शिकार करते थे । उनके लिए एक जगह रहना जरूरी नहीं था। शिकार हरेक जगह मिल जाता था। इसके सिवा उन्हें गायों, बकरियों और अपने दूसरे जानवरों की वजह से इधर-उधर घूमना पड़ता था। इन जानवरों के चराने के लिए चरागाहों की जरूरत थी । एक जगह कुछ दिनों तक चरने के बाद जमीन में जानवरों के लिए काफी घास पैदा नहीं होती थी और सारी जाति को दूसरी जगह जाना पड़ता था ।

जब लोगों को खेती करना आ गया तो उनका जमीन के पास रहना जरूरी हो गया। जमीन को जोत-बोकर वे छोड़ नहीं सकते थे। उन्हें साल भर तक लगातार खेती का काम लगा ही रहता था और इस तरह गाँव और शहर बन गए ।

दूसरी बड़ी बात जो खेती से पैदा हुई वह यह थी कि आदमी की जिंदगी ज्यादा आराम से कटने लगी । खेती से जमीन में अनाज पैदा करना, सारे दिन शिकार खेलने से कहीं ज्यादा आसान था । इसके सिवा जमीन में अनाज भी इतना पैदा होता था जितना वे एकदम खा

परिचय

जन्म : १८८९, इलाहाबाद (उ.प्र.)
मृत्यु : २७ मई १९६४ (नई दिल्ली)
परिचय : स्वतंत्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू चिंतक, वक्ता, लेखक और विचारक थे। नेहरू जी ने आधुनिक भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की । आपने विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विकास को प्रोत्साहित किया ।
प्रमुख कृतियाँ : 'एक आत्मकथा', 'दुनिया के इतिहास का स्थूल दर्शन', 'भारत की खोज', 'पिता के पत्र पुत्री के नाम', आदि ।

गद्य संबंधी

प्रस्तुत पत्र पं. जवाहरलाल नेहरू ने अपनी पुत्री इंदिरा को लिखा है । इस पत्र में आदिम अवस्था से आगे बढ़कर खेती के माध्यम से हुए मानवीय सभ्यता के क्रमिक विकास को बताया गया है। यहाँ नेहरू जी ने अमीर-गरीब के मानदंड एवं बचत प्रणाली को सुंदर ढंग से समझाया है।

नहीं सकते थे, इसे वे सुरक्षित रखते थे । एक और मजे की बात सुनो। जब आदमी निपट शिकारी था तो वह कुछ जमा न कर सकता था या कर भी सकता था तो बहुत कम, किसी तरह पेट भर लेता था । उसके पास बैंक न थे, जहाँ वह अपने रुपये व दूसरी चीजें रख सकता । उसे तो अपना पेट भरने के लिए रोज शिकार खेलना पड़ता था । खेती से उसे एक फसल में जरूरत से ज्यादा मिल जाता था । अतिरिक्त खाने को वह जमा कर देता था । इस तरह लोगों ने अतिरिक्त अनाज जमा करना शुरू किया । लोगों के पास अतिरिक्त अनाज इसलिए हो जाता था कि वह उससे कुछ ज्यादा मेहनत करते थे जितना सिर्फ पेट भरने के लिए जरूरी था । तुम्हें मालूम है कि आज-कल बैंक खुले हुए हैं जहाँ लोग रुपये जमा करते हैं और चेक लिखकर निकाल सकते हैं। यह रुपया कहाँ से आता है? अगर तुम गौर करो तो तुम्हें मालूम होगा कि यह अतिरिक्त रुपया है, यानी ऐसा रुपया जिसे लोगों को एक बारगी खर्च करने की जरूरत नहीं है । इसे वे बैंक में रखते हैं । वही लोग मालदार हैं जिनके पास बहुत-सा अतिरिक्त रुपया है और जिनके पास कुछ नहीं वे गरीब हैं । आगे तुम्हें मालूम होगा कि यह अतिरिक्त रुपया आता कहाँ से है । इसका सबब यह नहीं है कि आदमी दूसरे से ज्यादा काम करता है और ज्यादा कमाता है बल्कि आज-कल जो आदमी बिलकुल काम नहीं करता उसके पास तो बचत होती है और जो पसीना बहाता है उसे खाली हाथ रहना पड़ता है । कितना बुरा इंतजाम है । बहुत से लोग समझते हैं कि इसी बुरे इंतजाम के कारण दुनिया में आज-कल इतने गरीब आदमी हैं । अभी शायद तुम यह बात समझ न सको इसलिए इसमें सिर न खपाओ । थोड़े दिनों में तुम इसे समझने लगोगी ।

इस वक्त तो तुम्हें इतना ही जानना पर्याप्त है कि खेती से आदमी को उससे ज्यादा खाना मिलने लगा जितना वह खा नहीं सकता था, यह जमा कर लिया जाता था। उस जमाने में न रुपये थे, न बैंक। जिनके पास बहुत-सी गायें, भेड़ें, ऊँट या अनाज होता था, वे ही अमीर कहलाते थे।

तुम्हारा पिता,
जवाहरलाल नेहरू

—०—

पठनीय

बालवीर पुरस्कार प्राप्त बच्चों की कहानियाँ पढ़ो ।

लेखनीय

वन महोत्सव जैसे प्रसंग की कल्पना करते समय विशेष उद्धरणों, वाक्यों का प्रयोग करके आठ से दस वाक्य लिखो।

संभाषणीय

'जय जवान, जय किसान' नारे पर अपने विचार कक्षा में प्रस्तुत करो ।

श्रवणीय

रेडियो/दूरदर्शन पर जैविक खेती के बारे में जानकारी सुनो और सुनाओ ।

शब्द वाटिका

कस्बा = गाँव से बड़ी और शहर से छोटी बस्ती

चरागाह = जानवरों के चरने की जगह

मुहावरे

खाली हाथ रहना = पास में कुछ न होना

सिर खपाना = बहुत बुद्धि लगाना

पसीना बहाना = कड़ी मेहनत करना

✻ सूचना के अनुसार कृतियाँ करो :–

(१) प्रवाह तालिका पूर्ण करो :

मनुष्य द्‌वारा खेती करने पर हुए लाभ

↓ [ ] ↓ [ ] ↓ [ ] ↓ [ ]

(२) कारण लिखो :

अ. अनाज सुरक्षित रखना प्रारंभ हुआ -------

ब. मनुष्य को रोज शिकार खेलना पड़ता -------

क. दुनिया में गरीब आदमी हैं -------

ड. लोग बैंक में रुपये रखते -------

(३) उचित जानकारी लिखो :–

१. काम का विभाजन इनमें हुआ < [ ] [ ]

(४) कृति पूर्ण करो :

उस जमाने में उसे अमीर कहा जाता था जिसके पास... थे

[ ] [ ] [ ] [ ]

भाषा बिंदु

(१) शब्द समूह के लिए एक शब्द लिखो :

क. जानवरों को चराने की जगह = -------

ख. जिनके पास बहुत से अतिरिक्त रुपये हैं = -------

(२) वाक्य शुद्‌ध करके लिखो :

क. बड़े दुखी लग रहे हो क्या हुआ

ख. अरे रामू के बापू घोड़े बेचकर सो रहे हो

ग. तुम्हारे दाने कहा है

मौलिक सृजन

कृषि क्षेत्र में किए गए नये–नये प्रयोगों से होने वाले लाभ लिखो ।

उपयोजित लेखन ‘तंबाकू सेवन के दुष्परिणाम’ विषय पर लगभग सौ शब्दों में निबंध लिखो ।

मैंने समझा

स्वयं अध्ययन पारंपरिक तथा आधुनिक कृषि प्रौद्‌योगिकी का तुलनात्मक चार्ट बनाओ ।

J114XB